प्रश्न- पछले कुछ वर्षों में नीति आयोग ने भारत में छोटे खेतों की समस्या से निपटने के लिए भूमि सुधार **(Land Reforms),** लीजिंग **(Leasing)** एवं संविदा कृषि **(Contract Farming)** को ध्यान केंद्रित क्षेत्रों में शामिल किया है। आपको लगता है कि इन क्षेत्रों को विशेष रूप से चुना गया है। चर्चा करें। (200 शब्द)

मॉडल उत्तर

भूमिका :

➲ नवगठित नीति आयोग ने भारत में छोटे खेतों की समस्या से निपटने के लिए भूमि सुधार, लीजिंग व संविदा कृषि को मुख्य माना है। उल्लेखनीय है कि भारत में सुधार आजादी के बाद से ही अपेक्षित रहे हैं-

प्रथम पैरा

इसमें भूमि सुधार से संबंधित प्रयासों पर चर्चा करें जिसमें आप निम्न बिन्दुओं को शामिल कर सकते हैं-

- काश्तकारी सुधार, लगान का नियमन, कृषि भूमि का पुर्नसंगठन, स्वामित्व संबंधी अधिकार, चकबंदी सहकारी कृषि आदि।
- प्रथम पैरा से लिंक रखते हुए लीजिंग पर संक्षिप्त चर्चा करे और आगे संविदा कृषि पर अपनी बातों को फोकस करें और बतायें कि संविदा कृषि अलग-अलग किसानों के साथ अनुबंध करने के बजाए किसानों के समूह के साथ अनुबंध करती है। जिससे छोटे जोतों की समस्या से निपटने में मदद मिलती है।

द्वितीय पैरा

चुँकि प्रश्न में अपका विचार मांगा गया है तो आप अपनी बात सरल शब्दों में कहें

अंत में संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दें